जैसे परमेश्वर की भलाई और दया हमारे जीवन के सभी दिनों का पीछा करती है,

भजन संहिता 23:6
“धन्य है वह जो परमेश्वर के घर में सदा रहता है,
क्योंकि प्रभु की भलाई और दया मेरे जीवन के सभी दिनों के लिए मेरे पीछे-पीछे चलती है।”

वैसे ही हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम सदैव प्रशंसा और महिमा पाए। आमीन।

1. अकाल को समझना – शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों

अक्सर कहा जाता है कि गोली लगने से तुरंत मरना बेहतर है बजाय धीरे-धीरे भूख और प्यास से मरने के। बाइबल भी इस सत्य की पुष्टि करती है:

विलाप 4:9
“जो लोग तलवार से मारे गए वे उन लोगों से बेहतर हैं जो भूख से
मर जाते हैं, क्योंकि वे निर्जीव हो जाते हैं, खेतों की उपज

की कमी से ग्रसित हो जाते हैं।”

यह सच्चाई आध्यात्मिक क्षेत्र में भी लागू होती है। आध्यात्मिक रूप से “मरे” होने के बारे में जानना एक बात है, लेकिन जीवित रहते हुए आध्यात्मिक भूख में मरना और भी बुरा है – जब कोई सच्चाई की खोज में भटक रहा हो लेकिन उसे न पा रहा हो।

2. परमेश्वर की भविष्यवाणी: वचन की अकाल

परमेश्वर ने पहले ही चेतावनी दी थी कि आखिरी दिनों में न तो रोटी का और न ही पानी का अकाल होगा, बल्कि उसका वचन सुनने का अकाल होगा:

अमोस 8:11–12
“देखो, वे दिन आ रहे हैं, यहोवा परमेश्वर कहता है,
जब मैं देश पर अकाल भेजूंगा,
न रोटी का अकाल, न पानी का तृष्णा,
परन्तु यहोवा के वचन को सुनने का अकाल।
वे समुद्र से समुद्र तक,
उत्तर से पूर्व तक भटकेंगे,
वे यहोवा के वचन की खोज में दौड़ेंगे,

परन्तु उसे नहीं पाएंगे।”

यह एक अंतिम समय की भविष्यवाणी है कि लोग आध्यात्मिक सत्य की लालसा रखेंगे, पर भ्रम और चुप्पी पाएंगे।

3. अकाल क्यों खतरनाक है

जब कोई शारीरिक रूप से भूखा होता है, तो खराब भोजन भी मीठा लगता है। आध्यात्मिक रूप से भी ऐसा ही होता है:

नीतिवचन 27:7
“संतुष्ट आत्मा मधुमक्खी के छत्ते को नापसंद करती है,
परन्तु भूखे आत्मा को हर कड़वा वस्तु मीठी लगती है।”

इसका मतलब है कि आध्यात्मिक भूख के कारण लोग कमजोर या गलत शिक्षाओं को स्वीकार कर लेते हैं – केवल इसलिए क्योंकि उनकी आत्मा भूखी है। यहां तक कि झूठे शिक्षक भी अपनाए जाते हैं।

येशु ने हमें चेतावनी दी:

मत्ती 24:24
“क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यवक्ता प्रकट होंगे,
और बड़े चमत्कार और संकेत करेंगे,
यदि संभव हो तो चुने हुए लोगों को भी धोखा देंगे।”

4. झूठे भविष्यवक्ताओं और शिक्षाओं का उदय

इस भूख के समय में, कमजोर या झूठे संदेशों को भी लोग खुश होकर स्वीकार करते हैं, भले ही वे पवित्रता, पश्चाताप या परमेश्वर के साथ गहरे संबंध की ओर न ले जाएं। प्रेरित पौलुस ने इसे पहले ही देख लिया था:

2 तीमुथियुस 4:3–4
“क्योंकि ऐसा समय आएगा जब वे स्वस्थ शिक्षाओं को सहन नहीं करेंगे,
बल्कि अपनी इच्छाओं के अनुसार शिक्षक एकत्र करेंगे,
क्योंकि उनके कान खुजला रहे हैं,
वे सत्य से अपने कान मोड़ लेंगे और मिथकों की ओर मुड़ जाएंगे।”

आध्यात्मिक भूख इतनी अधिक होती है कि यहाँ तक कि नकली “भोजन” (झूठे दर्शन, विकृत सिद्धांत) भी लोकप्रिय हो जाते हैं।

5. यीशु, हमारा एकमात्र सच्चा पोषण स्रोत

जैसे परमेश्वर ने मिस्र में लोगों को बचाने के लिए योसेफ को उठाया, वैसे ही यीशु मसीह आज हमारे लिए “योसेफ” हैं। वे जीवन का अन्न हैं:

यूहन्ना 6:35
“मैं जीवन का अन्न हूं। जो मुझ पर आएगा वह कभी नहीं भूखेगा,
और जो मुझ पर विश्वास करेगा वह कभी नहीं प्यासेगा।”

यदि हम यीशु को अस्वीकार करते हैं, तो हम आध्यात्मिक भूख की ओर बढ़ रहे हैं। निरंतर एक प्रचारक से दूसरे प्रचारक तक भागते रहना अंत में भ्रमित और थका देने वाला होता है।

6. सच्चाई खिलाने में पवित्र आत्मा की भूमिका

यीशु ने हमें बिना सहायता के नहीं छोड़ा। उन्होंने पवित्र

आत्मा भेजने का वादा किया, जो हमें सभी सत्य में मार्गदर्शन करेगा:

यूहन्ना 16:13
“परन्तु जब वह सत्य की आत्मा आएगा, वह तुम्हें सारी सच्चाई
में मार्गदर्शन करेगा…”

पवित्र आत्मा हमें उन स्थानों और लोगों के पास ले जाएगा जहाँ शुद्ध और सच्चा सन्देश दिया जाता है।

मत्ती 24:28
“जहाँ मरा हुआ पशु होगा, वहाँ गिद्ध इकट्ठे होंगे।”

जैसे गिद्ध मरे हुए जानवर के पास आते हैं, वैसे ही सच के खोजी भी आत्मा के द्वारा सच्चे वचन के पास आकर्षित होंगे।

7. आपको क्या करना चाहिए?

आध्यात्मिक अकाल से बाहर निकलने का रास्ता मसीह के प्रति

समर्पण से शुरू होता है:

ईमानदारी से पाप से पश्चाताप करना
यीशु के नाम पर बपतिस्मा लेना (पापों की क्षमा के लिए)

प्रेरितों के काम 2:38
“पतरस ने उनसे कहा, ‘तुम सब पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लो, ताकि तुम्हारे पाप क्षमा पाएं; और तुम पवित्र आत्मा प्राप्त करोगे।’”

पिता से पवित्र आत्मा मांगना

लूका 11:13
“तो यदि तुम बुरे हो कर भी अपने बच्चों को भले उपहार देना जानते हो, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता और भी अधिक पवित्र आत्मा देगा उन्हें जो उससे मांगते हैं।”

पवित्र आत्मा आपको समझदारी और ताकत देगा जिससे आप इस आध्यात्मिक अकाल को झेल सकेंगे और धोखे से बचेंगे।

8. मानव प्रयास से स्वयं को पोषण न दें

कई लोग अपनी बुद्धि, तर्क या विधियों से आध्यात्मिक पोषण खोजने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे असफल होते हैं। बाइबल चेतावनी देती है:

अमोस 8:12
“वे भाग-दौड़ करेंगे, यहोवा के वचन को खोजेंगे, पर उसे नहीं पाएंगे।”

क्यों? क्योंकि उन्होंने आत्मा की मार्गदर्शिता को ठुकरा दिया है।

9. अंतिम प्रोत्साहन

यह आध्यात्मिक अकाल वास्तविक है और बढ़ रहा है। लेकिन आपको इसमें मरने की जरूरत नहीं है।

यीशु मसीह ने पहले ही सब कुछ प्रदान कर दिया है: क्षमा, आध्यात्मिक भोजन, और निवास करने वाला पवित्र आत्मा। वे मार्ग, सत्य, और जीवन हैं:

यूहन्ना 14:6
“मैं मार्ग और सत्य और जीवन हूं; कोई पिता के पास नहीं आता सिवाय मेरे।”

यशायाह 55:6
“यहोवा को खोजो जब वह मिल सके,
उसे पुकारो जब वह निकट हो।”

प्रभु आपको आशीर्वाद दे, आपको सच्चाई की समझ, ज्ञान और आत्मा की पूर्णता दे, खासकर इन अंतिम दिनों में। आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp